सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 76 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 20 अप्रैल, 2023
मूल्य ₹ 3/-

एक अच्छा निर्णय ज्ञान पर आधारित होता है, नंबरों पर नहीं।
-प्लेटो

अमृतपाल की पत्नी किरणदीप... 8 | महाराष्ट्र में फिर राजनीति गरमाई... 3 | एक-दो दिन में फिर बदलेगा मौसम... 7

राहुल को नहीं मिली राहत

मोदी सरनेम पर टिप्पणी मामले में अर्जी खारिज

» सूरत सेशंस कोर्ट का फैसला

» उच्च न्यायालय का रुख कर सकते कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। मानहानि मामले में राहुल गांधी को एकबार फिर झटका लगा है। उन्हें सूरत सेशंस कोर्ट से राहत नहीं मिली है। अदालत ने राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी है। राहुल गांधी ने उनकी सजा पर रोक लगाने की मांग की थी। बता दें कि सूरत की एक सत्र अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'मोदी सरनेम' वाली टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई थी।

इसके चलते राहुल गांधी की संसद सदस्यता चली गई थी। अब सेशंस कोर्ट से भी राहुल गांधी को निराशा हाथ लगी है। राहुल गांधी अब राहत के लिए उच्च न्यायालय का रुख कर सकते हैं। दरअसल, 2019 में मोदी उपनाम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में 23 मार्च को सूरत की सीजेएम कोर्ट ने धारा 504 के तहत राहुल को दो साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, कोर्ट ने फैसले पर अमल के लिए 30 दिन की मोहलत भी दी थी। 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है? इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी फटकार: पूर्णेश

इस मामले में सुनवाई के दौरान पूर्णेश मोदी की ओर से कहा गया कि राहुल गांधी के खिलाफ 10 से अधिक आपराधिक मानहानि के मामले चल रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने भी उन्हें फटकार लगाई है। पीएम मोदी के वकील हर्ष टोलिया ने कहा कि राहुल गांधी कोर्ट से दोषी करार दिए जाने के बाद भी कह रहे हैं कि कोई गलती नहीं की। कोर्ट से मिली सजा के कारण राहुल गांधी को अयोग्य करार दिया गया है, लेकिन वे चुनाव और उसकी जीत का तर्क दे रहे हैं। वकील ने कहा कि राहुल गांधी को सही सजा मिली है, जब वे रैली को संबोधित कर रहे थे, तब वे पूरी तरह होश में थे। वहीं यदि कोर्ट आज अपील मंजूर करती है तो इससे राहुल गांधी को राहत मिल सकती है।

"हमें उम्मीद थी कि सेशंस कोर्ट से राहत मिलेगी। अपील में तमाम तथ्य रखे गए थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हम कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं। आगे हमारे पास हाईकोर्ट जाने का विकल्प है। हम उसका इस्तेमाल करेंगे। सेशंस कोर्ट के फैसले की सर्टिफाइड कॉपी आने के बाद हाईकोर्ट में अपील की दिशा में काम शुरू किया जाएगा।

डॉ. मनीष दोषी, मुख्य प्रवक्ता, गुजरात कांग्रेस

"राहुल गांधी को सूरत की अदालत से झटका लगने के बाद भाजपा ने उन पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी की सजा पर रोक न लगाकर न्यायालय ने दिखा दिया है कि वो झुकने वाला नहीं है। भाजपा ने कहा कि इस फैसले से गांधी परिवार का घमंड भी टूट गया है।

संबित पात्रा, भाजपा प्रवक्ता

अतीक-अशरफ हत्याकांड का क्राइम सीन फिर दोहराया गया

» पुलिस एसआईटी आरोपियों को लेकर पहुंची काल्विन अस्पताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय काल्विन के गेट पर माफिया अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की हत्या का गुरुवार को सीन दोहराया। इसके मद्देनजर अस्पताल के आस-पास पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। एसआइटी की टीम हत्यारोपियों को लेकर मौके पर पहुंची। इसके बाद घटना का सीन दोहराया गया।

अतीक व अशरफ को काल्विन अस्पताल के गेट पर 15 अप्रैल की रात गोली मारी गई थी, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में गठित आयोग पूर्व डीजीपी सुबेश कुमार सिंह व पूर्व जज बृजेश कुमार सोनी जाँच के सिलसिले में आज प्रयागराज पहुचेंगे।

मेरा कोई आका नहीं, मैं खुद एक डॉन हूं : आरोपी

हत्या के तीनों आरोपियों से राज उगलवाने के लिए पुलिस ने मनोवैज्ञानिक तरीके से भी 8 घंटे की पूछताछ की। तीनों से उनकी जिंदगी, परिवार, आदत शौक के बारे में अलग-अलग तरीके से सवाल किए गए। पूछताछ के दौरान आरोपी शूटर लवलेश तिवारी ने बताया कि वह सोशल मीडिया के जरिए खुद को फेमस करने की कोशिश में भी लगा था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपियों में सनी सिंह सबसे ज्यादा अपराधिक प्रवृत्ति और महत्वकांक्षी नजर आया। पहले दिन की पूछताछ में लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण माफिया अतीक को मारकर पैसा और नाम कमाने की बात दोहराते रहे, शूटर सनी सिंह ने कहा कि उसका कोई आका नहीं है, वह खुद एक डॉन है. वहीं, अरुण ने कबूला कि पानीपत के एक दोस्त ने उसे बंदूक दी थी। पुलिस ने जब अरुण मौर्य से पूछा कि पाकिस्तान से लाई गई जिगाना पिस्टल किस दोस्त ने दी तो उसने जवाब में कहा कि वह नहीं जानता था कि यह इतनी कीमती पिस्टल है। वह तो इसे अच्छा असलहा भर समझ रहा था जिससे कोई नहीं बचेगा। दूसरी तरफ सनी सिंह ने पूछताछ के दौरान सुंदर भाटी से संपर्क वाली बात को भी कबूल लिया।

बांदा से 3 लोगों को लिया हिरासत में

एसआईटी की टीम ने बांदा से 3 लोगों को हिरासत में लिया है जो हत्याकांड के आरोपी लवलेश तिवारी के खास दोस्त हैं। एसआईटी इंस्पेक्टर की अगुवाई में ये कार्रवाई की गई है। लवलेश के तीनों दोस्तों को बांदा रेलवे स्टेशन से उठाया गया है। इसके अलवा, एसआईटी टीम हमीरपुर और कासगंज भी पहुंची है. दरअसल, ऐसे इनपुट भी मिले हैं कि तथाकथित कुछ पत्रकार लवलेश तिवारी को मीडिया की ट्रेनिंग दे रहे थे।

भाजपा ने एक भी जनहित का काम नहीं किया : अखिलेश

» बोले- बुनियादी मसलों से ध्यान हटाने का काम करती है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि वादा करो, भूल जाओ और बुनियादी मसलों से ध्यान हटाओ, भाजपा की यही रणनीति है। केंद्र में नौ साल और उत्तर प्रदेश में छह साल से सत्तासीन भाजपा सरकार ने एक भी ऐसा जनहित का काम नहीं किया, जिसे वह गिना सके।

सपा अध्यक्ष ने जारी एक बयान में कहा कि भाजपा ने महंगाई और बेरोजगारी खत्म करने का वादा किया था, लेकिन आज दोनों चरम पर है। एमएसपी पर खरीद का सिर्फ नाटक हो रहा है। बिचौलियों और बड़ी कंपनियों ने खूब लूट की।

फसलों के नुकसान का अब तक नहीं मिला मुआवजा

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हुई फसलों की नुकसान का सरकार मुआवजा तक नहीं दे पाई और न कोई मदद की। शहर में व्यापारी और आम जनता भाजपा की नीतियों से परेशान है। भाजपा चुनाव में अपनी हार को देखकर अपनी षड्यंत्रकारी चालों के जरिए लोगों का ध्यान भटका कर एक बार फिर मतदाताओं को भ्रमित करना चाहती है। पर, जनता सतर्क और सावधान है। वह भाजपा के हर षड्यंत्र का जवाब देगी। नगर निकाय चुनावों में भाजपा का सूपड़ा साफ होना तय है।

निकाय चुनाव में सोशल इंजीनियरिंग पर नजर

सपा नगर निगम चुनाव में माय की जगह बम कार्ड चला है। अभी तक वह मुस्लिमों व यादवों को तरजीह देने वाली पार्टी मानी जाती थी, लेकिन महापौर पद पर उसने ब्राह्मण व मुस्लिम प्रत्याशियों पर ज्यादा दांव लगाया है। अखिलेश यादव ने दो-दो दलित और कायस्थ प्रत्याशी उतारकर राजनीति की अपनी आगे की मंशा का भी आभास करा दिया है। वहीं, यादव प्रत्याशी न उतारने के आरोप लगने पर गाजियाबाद में नीलम गर्ग के स्थान पर पूनम यादव को अपना महापौर पद का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। भाजपा और बसपा ने जहां महापौर के अपने 10-10 प्रत्याशी घोषित किए हैं, वहीं सपा ने सभी 17 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। सपा सामाजिक न्याय पर जोर देती है। एलानिया कहती है कि देश की 60 फीसदी संपत्ति पर 10 फीसदी सामान्य वर्ग का कब्जा है। इसके बावजूद टिकट वितरण में उसने अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए सोशल इंजीनियरिंग का भी पूरा ख्याल रखा है।

राजस्थान में गृह मंत्रालय का अस्तित्व ही नहीं : शेखावत

» गहलोत पर बिफरे केंद्रीय मंत्री

4पीएम न्यूज नेटवर्क

जयपुर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने-जयपुर में राम प्रसाद मीणा आत्महत्या प्रकरण में कहा कि जमीन विवाद से प्रताड़ित होकर आत्महत्या करने वाले राम प्रसाद का सुसाइड लेटर जनता के सामने खुला सबूत है कि विरोधियों के विरुद्ध षड्यंत्र का जाल बुनने वाले गहलोत जी अपने पाले के संगीन मामलों में कैसे चुप्पी साध लेते हैं? शेखावत ने कहा कि राम प्रसाद और उसके परिवार को इंसाफ मिलना चाहिए।

सीएम बताएं कि वे क्या करेंगे? उदयपुर की एक घटना पर शेखावत ने कहा कि व्यवसायी को लूटकर दो दिन तक उससे बेरहमी से मारपीट की गई होगी, ताकि वो पुलिस में न जाए। ये है जंगलराज। अपराधी बेखौफ, उन्हें लगता है वे जहां चाहें, जिसे चाहें शिकार बना सकते हैं, पुलिस उन्हें नहीं रोकेगी। उन्होंने कहा कि दो साल बाद मामला प्रकाश में आया, वो भी तब जब व्यापारी ने हिम्मत दिखाई। बीकानेर के कतरियासर धाम के प्रसिद्ध जसनाथजी महाराज मंदिर में चोरी पीड़ादायकबीकानेर के कतरियासर धाम स्थित सिद्ध संप्रदाय के प्रसिद्ध जसनाथजी महाराज मंदिर में चोरी की घटना पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह घटना समाज के लिए पीड़ादायक है। कानून-व्यवस्था की कमजोरी से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

नौजवानों के लिए चल रहा नशा फंसा और मिटा का अभियान

» कमलनाथ ने कहा-कुर्सी की गरिमा रख लीजिए सीएम शिवराज जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। चुनावी साल में मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बयान के बाद बुधवार को पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी पलटवार किया। कमलनाथ ने कहा हम तो यह जानते हैं कि एक साहब जनता को मामू बना रहे हैं।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर कहा कि शिवराज जी आपने मध्य प्रदेश के नौजवानों के लिए नशा, फंसा और मिटा का अभियान छेड़ रखा है। शिवराज जी यह तो आप ही जानते होंगे कि आपकी पार्टी में कौन से बड़े मियां शराब की तस्करी करा रहे हैं और कौन से छोटे मियां जुआ और सट्टा खिला रहे हैं। हम तो यही जानते हैं कि एक साहब जनता को मामू बना रहे हैं। कमलनाथ ने कहा, शिवराज जी मैंने सोचा था कि आपने मध्य प्रदेश को मदिरा प्रदेश बनाने का जो अभियान कई साल पहले छेड़ा था, उसे जनता की नसीहत के बाद छोड़ दिया होगा। लेकिन आप फिर नशे और मदहोशी की बातें करने लगे। आपने अपनी सरकार में शराब की दुकानें इसलिए कई गुना बढ़ा दीं कि जनता को नशे में डुबा दें। जितने दिन कुर्सी पर हैं, उतने दिन तो इस कुर्सी की गरिमा रख लीजिए।

बसपा ने उपचुनाव से किया किनारा

यूपी नगर निकाय चुनाव पर निगाहें

» स्वार और छानबे पर 10 मई को होगी वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की स्वार और छानबे विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में बसपा मैदान में नहीं उतरेगी। बसपा अपना पूरा फोकस इस समय नगरीय निकाय चुनाव पर कर रही है। रामपुर जिले की स्वार और मिर्जापुर की छानबे सीट पर भी 10 मई को चुनाव होंगे।

स्वार सीट पर सपा विधायक अब्दुल्ला आजम की सदस्यता रद्द होने के कारण चुनाव हो रहा है। उधर छानबे सीट के विधायक राहुल कोल के निधन से यह सीट खाली हो गई। अब इस चुनाव में जहां सभी दल मैदान में उतर रहे हैं तो वहीं बसपा इससे दूर है। बसपाई रणनीतिकारों का कहना है कि बसपा का पूरा फोकस निकाय चुनाव पर है। हालांकि बसपा उपचुनाव लड़ने से पहले भी परहेज करती रही है पर बीच में उसने कुछ उपचुनाव लड़े। अब फिर से उपचुनाव से दूरी बनाई जा रही है।

भाजपा-अपना दल (एस) से बनी सहमति

प्रदेश में मिर्जापुर की छानबे और रामपुर की स्वार विधानसभा सीट पर होने वाले उप चुनाव के लिए भाजपा और अपना दल (एस) के बीच सहमति बन गई है। तय हुआ है कि दोनों सीटों पर अपना दल (एस) ही चुनाव लड़ेगा। इसके बाद अपना दल ने दोनों सीटों के लिए प्रत्याशी तय कर दिए हैं। छानबे सीट से राहुल कोल की पत्नी रिंकी कोल को प्रत्याशी बनाए जाने की पूरी संभावना है। जबकि, स्वार सीट के लिए उम्मीदवार के चयन पर अंतिम फैसला नहीं हो सका है। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में हुए समझौते के तहत दोनों सीटें अपना दल (एस) को दी गई थीं। इसलिए, उप चुनाव में भी इन सीटों पर अपना दल ने दावेदारी पेश की थी। पहले तो स्वार सीट पर भाजपा खुद चुनाव लड़ना चाहती थी, लेकिन बाद में तय हुआ कि दोनों सीटों पर अपना दल ही चुनाव लड़ेगा।

बुद्ध के विचारों पर आगे बढ़ रहा है भारतः मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने बुद्ध के विचारों का स्मरण किया। उन्होंने सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, आतंकवाद, धार्मिक उग्रवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से गुजर रही है, ऐसे में भगवान बुद्ध के विचार इन समस्याओं का समाधान पेश करते हैं।

वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन में कहा कि यह समय की मांग है कि लोग और राष्ट्र अपने हितों के साथ वैश्विक हितों को भी प्राथमिकता दें। पीएम ने जोर देकर कहा कि भारत बुद्ध द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण कर रहा है। भारत ने इतने सारे क्षेत्रों में अपना पहला स्थान हासिल किया है और उसने भगवान बुद्ध से उसी के लिए महान प्रेरणा प्राप्त की है। पीएम ने कहा कि बुद्ध का मार्ग सिद्धांत, अभ्यास और अहसास है। पिछले 9 वर्षों में भारत इन तीनों ही बिन्दुओं पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बुरे फंस गए मुकुल रॉय

» बीजेपी या टीएमसी किसके, त्रिशंकु जैसी हो गई है हालत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नेता मुकुल रॉय का हाल त्रिशंकु वाला हो गया है। आज वो बीजेपी और टीएमसी के बीच लटके हुए हैं और कोई पार्टी उन्हें अपना नहीं मान रहा है। टीएमसी में ममता के बाद दूसरे सबसे ताकतवर नेता माने जाते थे मुकुल रॉय दरअसल मुकुल रॉय को एक जमाने में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाद टीएमसी में दूसरा सबसे ताकतवर नेता माना जाता था।

फिर एक दौर ऐसा भी आया जब उनके सहारे बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर करने की रणनीति पर काम किया। लेकिन अब उन्ही मुकुल रॉय के लिए राजनीतिक हालात इतने बदल गए हैं कि कोई भी उनको अपना मानने को तैयार नहीं है। ममता बनर्जी कह रही हैं कि मुकुल रॉय बीजेपी के विधायक है तो वहीं पश्चिम बंगाल बीजेपी के दिग्गज नेता सुवेंदु अधिकारी उन पर धोखा देना का आरोप लगाते हुए कह रहे हैं कि मई 2021 के बाद पश्चिम बंगाल में जब बीजेपी कार्यकताओं पर अत्याचार हो रहा था उस समय जिन्होंने बीजेपी का साथ छोड़ा वह बीजेपी का आदमी नहीं हो सकता है।

अमित शाह और जेपी नड्डा से मिलूंगा

तृणमूल कांग्रेस के नेता मुकुल रॉय ने फिर से भाजपा में जाने की घोषणा की है। उन्होंने दिल्ली में मीडिया से कहा कि वह यहां गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। उन्होंने अपने बेटे के उस बयान को भी गलत बताया कि उनका पता नहीं चल रहा। रॉय ने कहा, मैं अपनी मर्जी से दिल्ली आया हूं। भाजपा ने यहां मेरे लिए सारी व्यवस्था की है। मुकुल रॉय ने कहा, मैं अब भी भाजपा विधायक हूं और पार्टी के साथ ही रहना चाहता हूं। मुकुल रॉय का फिर से भाजपा में शामिल होने का फैसला तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। दरअसल पिछले विधानसभा चुनाव से पहले रॉय बंगाल में भाजपा के बड़े नेताओं में थे और विधायक भी बने थे। लेकिन पार्टी के सत्ता में न आ पाने के बाद वह तृणमूल में शामिल हो गए थे।

कर्नाटक में नामांकन : नेताओं ने दिखाई ताकत

भाजपा व कांग्रेस के सदस्यों ने भरे पर्चे

» 10 मई होगी वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में मतदान आगामी 10 मई को होना है। धीरे-धीरे प्रत्याशी नामांकन करने लगे है। नामांकन करने के बाद नेता अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर प्रचार भी करेंगे। सभी दल अपनी ताकत लगाकर जीत का दावा कर रहे हैं। खैर चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा कौन सत्ता से बेदखल किया जाता है और जनता किसको अपना राजा बनाती है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उसका कहना है कि कांग्रेस ने दक्षिणी राज्य में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लिंगायत समुदाय के मतदाताओं को नजरअंदाज किया और उनके साथ धोखा किया है।

मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कर्नाटक में लिंगायत मतदाता सतर्क हैं। उन्होंने हमेशा सही निर्णय लिया है। विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद कांग्रेस ने उनके लिए विशेष प्रेम दिखाया है। यह वही पार्टी थी, जिसने लिंगायतों और वीरशैवों को विभाजित करने की कोशिश की थी। लोग कांग्रेस पार्टी की फूट डालो और राज करो की नीति को नहीं भूले हैं। बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस चुनाव के दौरान लिंगायतों पर विशेष प्यार जताती है।

गौरतलब है, मुधोल में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भी लिंगायतों के लिए आरक्षण का विरोध किया था। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी कांग्रेस पर वार किया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर पीएफआई के संरक्षक होने का आरोप लगाया। नड्डा ने हुबली में कहा कि कांग्रेस के सिद्धारमैया ने पीएफआई के खिलाफ मामले वापस ले लिए। वहीं पीएफआई के 1,700 कार्यकर्ताओं को जेल से रिहा किया। सिद्धारमैया उनके संरक्षक हैं। बता दें, केंद्र ने पिछले साल सितंबर में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया था।

केवल भाजपा ही है, जिसकी नीतियां गरीब हितैषी : नड्डा

नड्डा ने कहा कि चाहे केंद्र की सरकार हो या कर्नाटक की, केवल भाजपा ही है, जिसकी नीतियां गरीब हितैषी, मजदूर हितैषी, किसान हितैषी और महिला हितैषी हैं। यह देखते हुए कि भारत बिजली की खपत में तीसरे और अक्षय ऊर्जा की खपत में छठे स्थान पर है, उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया या कांग्रेस के शासन के दौरान बिजली कटौती होती थी, लेकिन आज 24 घंटे बिजली की आपूर्ति होती है। हमने सुनिश्चित किया है कि बिजली कटौती न हो, उसी तरह आप भी सुनिश्चित करें कि भाजपा की सत्ता बरकरार रहे। नड्डा ने मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में बढ़ रहा है। देश की सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर 7.4 प्रतिशत है। हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए 200 से अधिक वर्षों तक शासन करने वाले अंग्रेजों से आगे निकल आए हैं। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कर्नाटक के हुबली में मूरुसवीर मठ के गुरुसिद्ध राजयोगेंद्र स्वामी से मुलाकात की है। इस दौरान नड्डा ने स्वामी से पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

बोम्मई के खिलाफ कांग्रेस ने उतार यूसुफ को

कांग्रेस ने मंगलवार को शिगगांव से मुख्यमंत्री बोम्मई के खिलाफ अपने उम्मीदवार की घोषणा की। पार्टी ने इस सीट से मोहम्मद यूसुफ सवानूर को मैदान में उतारा है। पार्टी ने मंगलवार को सात उम्मीदवारों की घोषणा की और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार को हुबली-धारवाड़-मध्य से मैदान में उतारा। भाजपा से जगदीश शेट्टार के इस्तीफे और सोमवार को कांग्रेस में शामिल होने से हुबली-धारवाड़ सेंट्रल पर सबकी निगाहें टिक गई हैं। छह बार के विधायक शेट्टार ने निवर्तमान विधानसभा में इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था और निर्वाचन क्षेत्र से टिकट दिए जाने के इच्छुक थे। वह लिंगायत समुदाय के दूसरे वरिष्ठ नेता हैं जो सत्तारूढ़ भाजपा को छोड़कर एक सप्ताह से भी कम समय में कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए।

मेरे लिए सीएम बनना महत्वपूर्ण नही : विजयेंद्र

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे और शिकारीपुर से भाजपा उम्मीदवार बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि मेरे लिए सीएम बनना महत्वपूर्ण नहीं है कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई विजयेंद्र को भाजपा ने हाल ही में शिकारीपुर से उम्मीदवार के रूप में खड़ा किया है। इस पर भाजपा उम्मीदवार विजयेंद्र ने कहा कि मेरे लिए सीएम बनना महत्वपूर्ण नहीं है। पार्टी ने मुझ पर अपना विश्वास जताया है। इसलिए मेरे लिए जरूरी यह है कि मुझे पार्टी के लिए काम करना है। बीवाई विजयेंद्र ने कांग्रेस पर निशाना साधा।

बेटे पर है पूरा भरोसा: येदियुरप्पा

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने अपने बेटे विजयेंद्र पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि मुझे कोई संदेह नहीं है कि हम पूर्ण बहुमत प्राप्त करेंगे। साथ ही कर्नाटक में सरकार बनाएंगे। इसे कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि विजयेंद्र 50,000 मतों के अंतर से जीतेंगे।

महाराष्ट्र में फिर राजनीति गरमाई, सरकार तक आई

» राउत के बयान से एनसीपी में संग्राम

» भाजपा पर लगा साजिश का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आजकल महाराष्ट्र के राजनीति में पवार की पार्टी में सबकुछ ठीक नही चल रहा है। राउत के बयान के बाद मचे घमासान के बाद शरद पवार को आगे आकर कहना पड़ा कि उनके भतीजे अजित पवार के भाजपा में जाने की खबरे केवल मीडिया की कयासबाजी है। उनका भतीजा कहीं नहीं जाएगा वही भतीजे ने भी कहा वह एनसीपी में हमेशा रहेगा। इन सबके बीच शिवसेना व सीएम एकनाथ शिंदे के करीबी नेता ने यह कहा है कि अगर एनसीपी के विधायक बीजेपी में आते हैं तो वह सरकार में नहीं रहेगी इसके बाद बीच सियासी माहौल गरमाया हुआ हैं।

ज्ञात हो शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने अपने एक बयान से ये साफ कर दिया कि ठाकरे सेना अजित पवार को लेकर काफी सख्त लहजे में पेश आ रही है। संजय राउत ने कहा कि अगर मैंने सच कहा है इसीलिए मुझे कोई टारगेट करता है तो मैं मानता हूं कि मैं सच बोलता रहूंगा। अगर कोई मुझे टारगेट करता है तो भी मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं। राउत ने कहा कि मैं किसी के बाप से डरता नहीं हूं।

मै हमेशा सच लिखता हूं : राउत

संजय राउत ने कहा कि सामना (शिवसेना का मुखपत्र) हमेशा सच लिखता है और बोलता है। जाकर पूछो हसन मुश्रीफ से कि उन पर दबाव है या नहीं। अनिल देशमुख, जितेंद्र आव्हाड, प्रफुल पटेल से पूछों उनपर दबाव है या नहीं मैं और कितने नाम आपको बताऊं। केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्ष के नेताओं को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। उस पर अगर हम कुछ कहते हैं तो बीजेपी को गुस्सा होना चाहिए ना की किसी अन्य नेता (अजित पवार) को। संजय राउत ने कहा कि (अजित पवार) वो क्या मेरी विश्वनियता पर सवाल खड़े कर सकते हैं। शरद पवार जरूर कर सकते हैं, मैं उनकी (शरद पवार) ही बात मानूंगा। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में विपक्ष को तोड़ने की कोशिश हो रही है। यह बात सच है या नहीं यह अजित पवार बताएं। क्या शिवसेना को नहीं तोड़ा गया। क्या एनसीपी पर हमले नहीं हो रहे हैं। यह बात शरद पवार खुद बोल रहे हैं। इस तरह का पत्र उन्होंने अमित शाह और मोदी जी को लिखा है। अगर मैं यह सच सामने रखता हूं तो दिक्कत क्या है। संजय राउत ने कहा, मैं बोलता रहूंगा, लिखता रहूंगा। मैंने सच लिखा है और अगर इस सच से किसी को चुभन होती है तो मैं क्या करूं। महाविकास आघाडी का नेतृत्व सामूहिक नेतृत्व कर रहा है। उद्धव ठाकरे बड़े नेता हैं और शिवसेना के प्रमुख हैं। उनकी पद और प्रतिष्ठा बहुत ऊपर है। (हमारे खुलासे से) बीजेपी बैकफुट पर चली गई है। उनका नकाब हमने उतार दिया है। राउत ने आगे कहा कि विपक्ष को तोड़ने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है और इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में हो रहा है। हम सब इसके खिलाफ मिलकर लड़ेंगे।

बगावत की बातें सिर्फ मीडिया का कयास : पवार

राउत के बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में मची उठा-पटक के बाद एनसीपी चीफ शरद पवार बगावत संबंधी अटकलों को खारिज करते हुए इसे मीडिया की उपज बताया है। ज्ञात हो महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता अजीत पवार की काफी समय से एनसीपी से बगावत की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब इस मुद्दे पर शरद पवार का बयान सामने आया है। एनसीपी प्रमुख ने अजित पवार की कथित बगावत की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने कहा कि अजीत चुनाव संबंधी कामों में व्यस्त हैं। यह सारी बातें सिर्फ मीडिया में हैं।

अजित पवार भाजपा में तो हम सरकार में नहीं होंगे : शिरसाट

मुंबई। शिवसेना प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा कि अगर अजित पवार भाजपा में शामिल होते हैं तो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना महाराष्ट्र में सरकार का हिस्सा नहीं होगी। शिवसेना प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा है कि अजित पवार अगर एनसीपी नेताओं के समूह के साथ भाजपा में शामिल होते हैं तो हम महाराष्ट्र में सरकार का हिस्सा नहीं होंगे। संजय शिरसाट ने कहा कि उन्हें लगता है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सीधे भाजपा के साथ नहीं जाएगी। हमारी नीति इसके बारे में स्पष्ट है। एनसीपी एक ऐसी पार्टी है जो विश्वासघात करती है। हम सत्ता में भी एनसीपी के साथ नहीं होंगे। अगर बीजेपी एनसीपी को अपने साथ ले जाती है, तो महाराष्ट्र इसे पसंद नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि लोगों को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा के साथ जाना पसंद नहीं आया था।

पार्टी के लिए हमेशा हूं समर्पित : अजीत पवार

राउत के इस बयान को इसलिए महत्व दिया गया, क्योंकि कुछ समय से शरद पवार और अजीत पवार के बीच मतभेद की खबरें सामने आ रही हैं। इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि अजीत भाजपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं। हालांकि, अजीत ने इन अटकलों को निराधार बताया। राउत ने सामना में लिखे अपने एक लेख में कहा कि शरद पवार ने उद्धव ठाकरे से उनकी बैठक के दौरान कहा कि कोई भी नेता दल नहीं बदलना चाहता, लेकिन जिस तरह से परिवार को निशाना बनाया जा रहा है, उससे अगर कोई पार्टी छोड़ने का निर्णय लेता है, तो यह उसका व्यक्तिगत मामला होगा। एक पार्टी के रूप में हम भाजपा के साथ नहीं जाएंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ती गरमी से रहें सतर्क

साल-दर-साल गर्म होते जा रहे मौसम से लोगों की जान को तो खतरा बढ़ ही रहा है, इकॉनमी के मोर्चे पर भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। भारत में साल 2000 से 2019 के बीच हर साल औसतन 24 दिन हीट वेव वाले रहे, जबकि उससे पहले के 20 वर्षों में औसत आंकड़ा साल में 10 दिनों का ही था। मौसम विभाग के मुताबिक मैदानी इलाकों में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाए, तब हीट वेव की स्थिति बनती है।

धीरे-धीरे तापमान बढ़ रहा है । पूरे देश में तेज गर्म हावए चलने लगी हैं। सबसे गंभीर बात है कि ये गर्म हवा जानलेवा भी होती जा रही हैं। विभिन्न राज्यों से मृत्यु की खबरें आ रही हैं। महाराष्ट्र में लू लगने 11 लोंगो की मौत होने की खबर से लोग सहम गए। मौसम विभाग ने यलो एलर्ट घोषित किया है। गर्मी के तेवर को देखते हुए सरकारी स्तर पर तो व्यवस्था की ही जा रही परंतु व्यक्तिगत रूप से भी लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। सबसे ज्यादा बच्चों का ध्यान रखें। मौसम का जिस तरह से मिजाज बदल रहा है उससे हीट वेव की वजह से लोगों की जान खतरा साल दर साल बढ़ता जा रहा है। जाहिर है, हमारी सरकारों को ऐसे मामलों में ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत है। लेकिन मौसम के बदलते मिजाज से उपजे संकटों का दायरा बहुत बड़ा है। साल-दर-साल गर्म होते जा रहे मौसम से लोगों की जान को तो खतरा बढ़ ही रहा है, इकॉनमी के मोर्चे पर भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। भारत में साल 2000 से 2019 के बीच हर साल औसतन 24 दिन हीट वेव वाले रहे, जबकि उससे पहले के 20 वर्षों में औसत आंकड़ा साल में 10 दिनों का ही था। मौसम विभाग के मुताबिक मैदानी इलाकों में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाए, तब हीट वेव की स्थिति बनती है।

पहाड़ी इलाकों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और तटीय इलाकों में 37 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने पर ऐसी स्थिति बनती है। आश्चर्य नहीं कि साल 2010 से 2019 के बीच गर्म मौसम से मौतें करीब 30 फीसदी ज्यादा हुईं। इकॉनमी के मोर्चे पर भी हालात कम गंभीर नहीं हैं। नॉर्थ कैरोलाइना की ड्यूक यूनिवर्सिटी में हुई एक रिसर्च के मुताबिक, दिल्ली में जब तापमान बहुत बढ़ जाता है तो हर घंटे 15-20 मिनट काम का नुकसान होता है। रिसर्च के मुताबिक भारत में हर साल गर्मी से 101 अरब मैन आवर का नुकसान होता है। आने वाले वर्षों में हालात और बदतर ही होने वाले हैं। अनुमान है कि 2030 तक गर्मी से काम के घंटों का नुकसान इतना बढ़ जाएगा कि जीडीपी को ढाई फीसदी (करीब 250 अरब डॉलर) तक की चपत लग सकती है। दिक्कत यह भी है कि भारत में वर्कफोर्स का करीब 75 फीसदी हिस्सा ऊंचे तापमान वाली जगहों पर काम करता है। इसीलिए यह और भी जरूरी है कि बचाव के इंतजाम अभी से शुरू कर दिए जाएं। इसके लिए कामकाज का पैटर्न बदलना और फैक्ट्रियों के भीतर काम करने के हालात में सुधार लाना होगा। चूंकि भारत में बड़ी आबादी को असंगठित क्षेत्र में रोजगार मिला हुआ है, इसलिए छोटी औद्योगिक इकाइयों को सबसिडी देकर उन्हें वर्कप्लेस को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। शहरों के विकास मॉडल पर भी मौसम के हिसाब से गौर करना होगा। सरकार को इस दिशा में प्रयास तत्काल शुरू कर देने चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीति व अपराध के रिश्तों पर हो विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

अतीक अहमद की अपराध-कथाओं से सारा देश परिचित है। लगभग आधी सदी लंबी कहानी है अतीक के परिचित-अपरिचित अपराधों की। हत्या, अपहरण जैसे गंभीर अपराधों से जुड़ा था अतीक। उसकी मौत पर आंसू बहाने का अथवा उसके प्रति किसी भी प्रकार की संवेदना जताने का कोई कारण नहीं बनता। कहते हैं, अच्छे और बुरे कर्मों का फल इसी जीवन में मिलता है। अतीक को अपनी करनी का फल मिल गया। लेकिन कुछ सवाल उठते ही हैं इस कांड को लेकर। अतीक पुलिस के हाथों नहीं मरा, जिन हाथों ने उस पर गोलियां चलायीं या चलवायीं, उनके बारे में भी अभी तक बहुत कुछ पता नहीं चल पाया है। लेकिन जिस तरह से उस पर गोलियां चली हैं, उसे लेकर कुछ सवाल अवश्य उठते हैं। अतीक पुलिस की कस्टडी में था, अतीक ने न्यायालय में उपस्थित किये जाने को लेकर चिंता जतायी थी, उसने साफ-साफ कहा था कि उसे इस दौरान मारा जा सकता है।

पहला सवाल तो यही उठता है कि वह इस तरह मारा कैसे गया? उसकी चिंता के बावजूद उसे पर्याप्त सुरक्षा क्यों नहीं दी गयी? ये और ऐसे सवाल इसलिए पूछने जरूरी हैं कि इनका रिश्ता कानून के शासन से है। अतीक के प्रति किसी तरह की सहानुभूति का सवाल नहीं उठता, पर यह सवाल पूछने का हक तो हर नागरिक का है कि उसे सजा देने का अधिकार किसे था। जिस संविधानिक व्यवस्था को हमने अपने लिए स्वीकार किया है, उसमें कोई व्यक्ति तब तक अपराधी नहीं माना जाता जब तक अदालत उसे दोषी करार नहीं देती। फिर अदालत के आदेश के अनुसार ही उसे सजा मिलती है। इसी को कानून का शासन कहते हैं। यह सही है कि अतीक अहमद पर सौ से अधिक आपराधिक मामले चल रहे थे। उसके जघन्य अपराधों को देखते हुए उसे सजा मिलनी भी तय थी। पर यहां सवाल सजा दिये जाने पर नहीं, सजा देने के तरीके पर उठ रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का 'मिट्टी में मिला' देने वाला जुमला काफी चर्चा में है। अपराधियों के प्रति शासन की दृढ़ता अच्छी लगने वाली बात है, लेकिन आवश्यकता अपराधी को नहीं अपराध को मिट्टी में मिलाने की है।

अपराधियों के मन में डर पैदा करना एक रणनीति हो सकती है, इस आधार पर प्रयागराज में हुए इस हत्याकांड का औचित्य ठहराने की कोशिश भी हो सकती है। लेकिन कानून के शासन में, जहां न्यायालय की महत्ता सर्वोपरि है, एनकाउंटर जैसे तरीकों की स्वीकार्यता पर सवालिया निशान तो

लगता ही है। फिर, एनकाउंटर होने और करने में अंतर होता है। इस मामले में एनकाउंटर नहीं किया गया, यह पुलिस के लिए एक प्रकार के कवच का काम कर सकता है। पर इसे भी नहीं भुलाया जा सकता कि उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री के कार्यकाल में लगभग दो सौ एनकाउंटर हो चुके हैं। इनमें से कितने किये गये और कितने हुए, यह कोई नहीं कह सकता। लेकिन यह तय है कि अतीक अहमद और उसके भाई की हत्या का यह मामला अर्से तक गूंजा करेगा। यहीं एक बात और भी उठती है कि अतीक अहमद सिर्फ एक दुर्दांत अपराधी ही नहीं था, वह 'माननीय विधायक' और 'माननीय सांसद' भी रह चुका है। पांच बार विधायक चुना गया था अतीक और एक बार सांसद भी। इस बीच अलग-अलग राजनीतिक दलों से अतीक के रिश्ते रहे, विभिन्न दलों ने उसे अपने साथ जोड़कर अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत बनाने की कोशिश की थी। इसलिए, यह अवसर राजनीति और अपराध के रिश्तों पर विचार करने का भी है। चुनावों के समय उम्मीदवारों द्वारा दिये गये शपथपत्रों के अनुसार देश की कोई भी विधानसभा ऐसी नहीं है जिसमें अपराधों के आरोपियों की अच्छी-खासी संख्या न हो। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) के अनुसार उत्तर प्रदेश की वर्तमान विधानसभा में आधे से अधिक विधायक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हैं। उत्तर प्रदेश का नाम इस संदर्भ में सबसे ऊपर नहीं है, अन्य राज्यों की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। आश्चर्य तो इस बात पर होता है कि किसी भी राजनेता को इस बात पर शर्म नहीं आती कि उस पर कितने मुकदमे चल रहे हैं। यह सही है कि जब तक न्यायालय द्वारा प्रमाणित न हो जाये, किसी को भी अपराधी नहीं कहा जा सकता, पर बिना आग के तो कहीं धुआं उठता नहीं। आश्चर्य तो यह भी है कि आपराधिक पृष्ठभूमि के सांसदों-विधायकों में चार केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राज्यों के पैंतीस मंत्रियों ने भी अपने शपथपत्रों में अपने पर लगे गंभीर आरोपों का उल्लेख किया है।

ऐसे लोगों के आपराधिक मामले वर्षों तक अदालतों में चलते रहते हैं, चल रहे हैं, और कोई परिणाम सामने नहीं आता। बहरहाल, अपराध और राजनीति के रिश्तों को लेकर पिछले 75 सालों में बहुत कुछ कहा गया है। इस बात पर अक्सर आश्चर्य व्यक्त किया जाता रहा है कि आखिर राजनीतिक दलों की ऐसी क्या मज़बूरी होती है।

गफलत की स्थिति में अतिरिक्त सावधानी जरूरी

घटना के एक साल से भी कम समय के बाद केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने 30 सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी से इनकार कर दिया है। इसके बाद नगालैंड पुलिस ने एक बयान में कहा - केंद्र से अभियोजन स्वीकृति के बिना सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) के तहत क्षेत्रों में सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकती है। सेना की अलग कोर्ट ऑफ इंक्वायरी पूरी हो गई है, लेकिन आगे की कार्रवाई पर अभी फैसला लेना बाकी है।

दिनकर कुमार

नगालैंड के ओटिंग गांव में दिसंबर, 2021 में सेना की ओर से कथित पहचान में चूक के चलते गोलीबारी की घटना में नागरिकों की मौत के मामले में आरोपी 30 सैनिकों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने से रक्षा मंत्रालय ने इनकार कर दिया है। नगालैंड पुलिस ने 13 अप्रैल को कहा कि रक्षा मंत्रालय के तहत सैन्य मामलों के विभाग ने आरोपी सैनिकों के खिलाफ मुकदमा चलाने के राज्य सरकार के अनुरोध को खारिज कर दिया है। बता दें कि मामला 5 दिसंबर, 2021 को सेना की 21 पैरा स्पेशल फोर्स की ओर से कोयला खनिकों को तिरू से मोन जिले के ओटिंग गांव ले जा रही एक पिकअप वैन पर हुई गोलीबारी की घटना से जुड़ा है, जिसमें सवार आठ ग्रामीणों में से छह की मौत हो गई थी। नागरिकों की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने भी सेना के जवानों पर हमला किया, जिन्होंने जवाबी कार्रवाई में उन पर गोलियां चलाईं, जिसमें सात और मारे गए। वहीं इस घटना में एक जवान की भी मौत हो गई थी और 14 अन्य घायल हो गए थे।

सेना ने दावा किया था कि यह गलत पहचान का मामला था और टीम ने सोचा था कि ग्रामीण एनएसीएन उग्रवादी थे। हालांकि सेना की अपनी कोर्ट ऑफ इंक्वायरी में पाया गया कि एक मेजर रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में घात लगाकर हमला करने वाली टीम ने मानक संचालन प्रक्रिया का पालन नहीं किया। साथ ही उग्रवादियों की निश्चित रूप से पहचान किये बिना ही ग्रामीणों पर गोलियां चलाने की वजह से उक्त घटना हुई। मई, 2020 में सेना ने हत्याओं की अपनी कोर्ट ऑफ इंक्वायरी पूरी की और कहा कि यह 'गलत पहचान और निर्णय की त्रुटि का मामला' था। इस घटना को लेकर जन प्रतिरोध के बाद नगालैंड सरकार ने नागरिकों मौतों की एसआईटी जांच का आदेश दिया था। नगालैंड पुलिस की एसआईटी जांच में पाया गया कि सेना की 21 पैरा स्पेशल फोर्स ने गंभीर चूक से घटना को अंजाम दिया। नगालैंड पुलिस ने 21 पैरा स्पेशल फोर्स के 30 सदस्यों को भी चार्जशीट किया था, जिसमें एक अधिकारी सहित उन सभी पर हत्या, हत्या के प्रयास से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मामला शामिल था।

घटना के एक साल से भी कम समय के बाद केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने 30 सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी से इनकार कर दिया है। इसके बाद नगालैंड पुलिस ने एक बयान में कहा - केंद्र से अभियोजन स्वीकृति के बिना सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) के तहत क्षेत्रों में सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकती है। सेना की अलग कोर्ट ऑफ इंक्वायरी पूरी हो गई है, लेकिन आगे की कार्रवाई पर अभी फैसला लेना बाकी है। घटना के बाद के हफ्तों में नगालैंड में कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए थे, खासकर राज्य के पूर्वी जिलों में, जहां ओटिंग पड़ता है। प्रभावशाली पूर्वी नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन जो पूर्वी नगा जनजातियों का प्रतिनिधित्व करता है के साथ ही कोन्याक जनजाति के प्रतिनिधि निकाय कोन्याक संघ ने कहा था कि वे तब तक पीछे नहीं हटेंगे जब तक कि न्याय नहीं दिया जाता और अफस्पा को हटा नहीं दिया जाता। हालांकि कई स्थानीय लोगों का कहना है कि उबलता गुस्सा काफी हद तक दूर हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ग्रामीणों की ओर से सरकार के साथ मध्यस्थता करने वाले नागरिक समाज संगठन मामले को पहले की तरह सक्रिय रूप से आगे नहीं बढ़ा रहे हैं। सैनिकों को अभयदान दिये जाने पर ओटिंग के गांव के लोग निराश महसूस करते हैं। इस घटनाक्रम से निराशा लोगों का मानना है कि 'यह दुखद है क्योंकि हमारे नेता अब इस पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। प्रभावित लोगों में ज्यादातर गरीब और अशिक्षित हैं'।

नगालैंड कांग्रेस ने मामले को आगे नहीं बढ़ाने के लिए सरकार पर निशाना साधा। नगालैंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के थेरी ने कहा, 'कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। भाजपा शांति की बात कर सकती है लेकिन उसने कुछ भी हासिल नहीं किया है'। इसके जवाब में, नगालैंड के बीजेपी विधायक इमकोंग इमचेन ने कहा कि राज्य सरकार असहाय थी क्योंकि अफस्पा के तहत आने वाले क्षेत्र 'केंद्र सरकार के आदेश' के अंतर्गत आते हैं। वहीं एनडीपीपी मंत्री केजी केन्ये, जिनके पास संसदीय मामलों का विभाग है, ने कहा कि कोई 'केंद्र या राज्य प्राधिकरण को दोष नहीं दे सकता', क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को उठाया था। जुलाई, 2022 में, शीर्ष अदालत ने प्राथमिकी और एसआईटी की रिपोर्ट पर कार्यवाही पर रोक लगा दी थी, जिसमें सुरक्षा बलों को अफस्पा द्वारा दी गई छूट का हवाला दिया गया था। यह निर्देश ऑपरेशन का नेतृत्व करने वाले सेना अधिकारी की पत्नी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया गया था। याचिकाकर्ता ने सैन्य मामलों के विभाग द्वारा मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं देने का हवाला देते हुए चार्जशीट पर रोक लगाने की मांग की थी।

गर्मियों में शरीर के लिए फायदेमंद है कैरी की चटनी

गर्मियों का मौसम आते ही आम और आम से बनी चीजों का ख्याल जहन में आने लगता है। अगर बात करें कच्चे आम की तो इसे कैरी कहा जाता है। भारत में कैरी की चटनी काफी मन से खाई जाती है। इस मौसम में ये ना सिर्फ स्वादिष्ट लगती है बल्कि इसे खाने से कई तरह के फायदे भी होते हैं। कैरी की चटनी को खाने के बाद पाचन से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं। इसके साथ ही ये आपके शरीर की इम्यूनिटी को भी मजबूत करने में मददगार होती है। अगर आप इसे लंच में या स्नैक्स के साथ परोसेंगी तो खाने का स्वाद भी कई गुना बढ़ जाएगा। आज की खबर में हम आपको कैरी की चटनी बनाना सिखाएंगे, ताकि आप भी आसान तरीके से इसे बनाकर तारीफ बटोर पाएं।

बनाने के लिए सामग्री

कैरी (कच्चे आम)-2
हरा धनिया-200 ग्राम
हरी मिर्च-5-6,
लहसुन-7-8 कली (वैकल्पिक), भुना जीरा- 1/2 टी स्पून,
नारियल के टुकड़े- 2
नींबू रस-1 टी स्पून
चीनी- 1 टी स्पून
नमक- स्वादानुसार
पानी- जरूरत के अनुसार

बनाने की विधि

कैरी की चटनी बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले कैरी को अच्छे से धो लें। अब इसे सूती कपड़े में बांध कर अच्छे से सुखा लें। सुखाने के बाद इसे छीलकर कैरी के छोटे-छोटे टुकड़े काट लें। इसके बाद हरे धनिए मिर्च और लहसुन को भी धो कर काट लें। अब इसे पीसने के लिए एक जार में ये सारा सामान डाल दें। इसके साथ ही भुना जीरा, नारियल के टुकड़े, 1 चम्मच चीनी, स्वादानुसार नमक और 1 चम्मच नींबू का रस डालें। इस जार को बंद करके एक बार मिक्सी चला दें। एक बार दरदरा पीसने के बाद इसमें थोड़ा सा पानी और डालें और फिर बंद करके अच्छे से पीस लें। जब ये अच्छे से पिस जाए तो इसे एक कटोरे में निकाल लें और स्टोर करके फ्रिज में रखें। खाने के साथ-साथ ये स्नैक्स के साथ भी काफी अच्छी लगेगी।

दिन भर फ्रेश रखेगा तरबूज का जूस

जैसे ही गर्मियों का मौसम आता है, वैसे ही लोगों में लो एनर्जी की समस्या सामने आने लगती है। बहुत से लोग तो डिहाइड्रेट होने लगते हैं। ऐसे में गर्मियों के सीजन के फलों को खाना काफी फायदेमंद बताया जाता है। इन फलों में तरबूज का नाम शामिल है। तरबूज में पानी की मात्रा और फाइबर बहुत अधिक होता है जबकि कैलोरी बहुत कम होती है। तरबूज के सेवन के वैसे तो काफी तरीके हैं, पर सबसे बेहतर लोगों को उसका जूस बनाना लगता है। अगर आप भी गर्मियों में लो फील करने लगे हैं तो आसान तरीके से तरबूज का जूस बनाकर पी सकते हैं। ये जितना स्वादिष्ट होता है उतना ही लाभकारी भी। तरबूज का जूस पीने के आपके शरीर में दिन भर एनर्जी भरपूर रहती है। जब आप ठंडे-ठंडे तरबूज के जूस का सेवन करेंगे तो दिन भर तरो-ताजा रहेंगे। तो आइए देर ना करते हुए आपको आसान तरीके से तरबूज का जूस बनाना सिखाते हैं।

तरबूज का जूस बनाने के लिए सामग्री

तरबूज कटे-3 कप
पुदीना पत्तियां- 1 टेबलस्पून
काला नमक -1/2 टी स्पून
चीनी - 1 टी स्पून
नींबू - 1/2
आइस क्यूब्स - 4-5

विधि

गर्मियों के इस मौसम में हेल्दी रहने में तरबूज का जूस काफी मददगार होता है। इसे बनाना बेहद ही आसान है। तरबूज का जूस निकालने में सबसे बड़ा काम होता है इसके बीजों को निकालना तो सबसे पहले तरबूज को काट कर इसके बीज निकाल लें और फिर इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक मिक्सर लेकर उसमें इसे डाल लें। इसके साथ पुदीना की पत्तियां, काला नमक और चीनी डालकर ग्राइंड कर लें। इसका एक स्मूद का मिश्रण बना लें। जब ये बन जाए तो इसमें नींबू का रस मिलाएं। आखिर में इसे छान कर इसमें बर्फ के टुकड़े डालें और पुदीना से सजा कर परोसें।

हंसना मना है

टीचर-तुम कल स्कूल क्यों नहीं आये थे? लड़का-जी वो, कल मेरे घर में पूजा थी, टीचर-तो परसों क्यों नहीं आये थे? लड़का -जी परसों मेरे घर प्रिया थी? टीचर बेहोश

स्कूल मे एक दिन टीचर संजू से - तुम बड़े होकर क्या बनोगे? संजू - मेम मै बड़ा होकर सीए बनूंगा, सभी महानगरों मे मेरा बिजनेस चलेगा, हमेशा हवाई यात्रा करूंगा, हमेशा 5 स्टार होटल मे ठहरूंगा, हमेशा 10 नौकर मेरे आसपास रहेंगे, मेरे पास सबसे महंगी कार होगी, मेरे पास सबसे महंगे... टीचर - बस संजू बस!! बच्चों आप सब को इतना लम्बा जवाब देने की आवश्यकता नहीं है, सिर्फ एक लाइन में जवाब देना.. अच्छा पिंकी तुम बताओ तुम बड़ी होकर क्या बनोगी? पिंकी - संजू की पत्नी।

कहानी — रावण के दस सिर का रहस्य

रावण के बारे में हर कोई जानता है। वह राक्षस वंश का था और उसके द्वारा की गई गलतियों के कारण हर साल दशहरे के दिन रावण दहन भी किया जाता है। वैसे क्या आपको मालूम है कि महान विद्वान और पंडित होने के साथ-साथ रावण भगवान शिव का परम भक्त भी था। एक बार की बात है, रावण ने सोचा कि क्यों न अपने आराध्य शिव जी को प्रसन्न किया जाए। यह विचार कर वह तपस्या में लीन हो गया। बहुत समय तक तपस्या करने के बाद भी शिव जी प्रसन्न नहीं हुए, तो रावण ने अपना सिर काट कर शिव जी को अर्पण कर दिया। इसके बाद उसका सिर फिर से जुड़ गया। इसके बाद उसने फिर से अपना सिर काट दिया, लेकिन उसका सिर फिर से जुड़ गया। इस तरह एक-एक करके उसने दस बार अपना सिर काटा और हर बार उसका सिर जुड़ जाता। रावण की इस तपस्या को देख कर शिव जी प्रसन्न हो गए और उन्होंने वरदान के साथ ही उसे दस सिर भी दे दिए। इस तरह रावण का नाम दशानंद पड़ा। रावण के दस सिर होने को लेकर इस कहानी के साथ-साथ कई अन्य कहानियां भी प्रचलित हैं। ऐसा कहा जाता है कि रावण दस सिर नहीं थे, वह सिर्फ दस सिर होने का भ्रम पैदा करता था। वहीं, कुछ का यह भी मानना है कि रावण छह दर्शन और चार वेदों को जानने वाला था, इसीलिए उसे दसकंठी भी कहा जाता था। शायद इस कारण से भी उसे दशानंद भी कहा जाता था।

7 अंतर खोजें

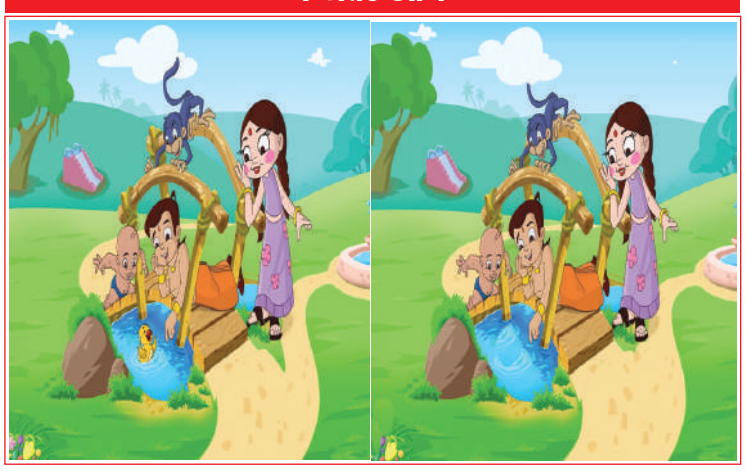

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज आपकी दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। आपका दिन मिश्र फलदायी रहेगा। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद दूर होंगे। व्यापार को बढ़ाने के लिए कोई योजना बनानी चाहिए।

वृषभ
आज के दिन आपको थोड़ी सावधानी रखनी होगी। खर्चे काफी रहेंगे और मानसिक तनाव भी ज्यादा रहेगा लेकिन प्रेम जीवन आपके मन को हल्का रखेगा।

मिथुन
आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। दिन की शुरुआत में थोड़ी सुस्ती रहेगी। आपको किसी भी तरह की जिद करने से आज बचना चाहिए, वरना आपको परेशानी हो सकती है।

कर्क
आज आपको जिम्मेदारियों का बोझ उठाना पडेगा। कठिन परिश्रम से लाभ होगा। आप मानसिक रूप से खुश रहेंगे। प्यार के मामले में आज का दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। भाग्य का बहुत मजबूत रहेगा, जिससे कामों में सफलता मिलती चली जाएगी और ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

कन्या
आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी। अविवाहित लोगों को विवाह के प्रस्ताव आयेंगे, साथ ही आपके घर वाले भी इसपर विचार करेंगे।

तुला
आज बड़े लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। आज आप आर्थिक अवसरों को प्राप्त करने के लिए अपनी पूरी व्यवसायिक ताकत लगा देंगे। दूसरे से सहयोग लेने मे सफल होंगे।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए सामान्य रूप से फलदायक रहेगा। आपके दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा। आपको रोमांस के खूब अवसर मिलेंगे। जीवन साथी खुश रहेगा।

धनु
आज आपके सितारे बुलंद रहने वाले हैं। अचानक धनलाभ होने के योग बन रहे है। आप अपने दिनचर्या की रुपरेखा बनायेंगे। किसी दोस्त से फ़ोन पर लम्बी बात होगी।

मकर
मकर राशि वाले मित्रों और स्वजनों के साथ आज का दिन खूब आनंद और उल्लास से व्यतीत करेंगे। आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी।

कुम्भ
आपके लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। सेहत में चले आ रहे उतार-चढ़ाव से आज थोड़ी राहत मिलेगी। परिवार में प्रेम बढ़ेगा। काम के सिलसिले में अच्छे नतीजे मिलेंगे।

मीन
महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है। आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है। आपको अपनी बातें दूसरों से शेयर करने से बचना चाहिए।

बॉलीवुड | मन की बात

साउथ फिल्मों में काम करना चाहती हूं : शहनाज

पंजाब की कटरीना यानी शहनाज गिल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री इस फिल्म से बॉलीवुड में अपनी फिल्मी पारी की शुरुआत करने जा रही हैं। यह एक ऐसी फिल्म होने वाली है, जिसमें बिग बॉस 13 के बाद एक बार फिर सलमान खान और शहनाज एक साथ स्क्रीन पर दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। अब हाल ही में, शहनाज ने खुलासा किया है कि वह साउथ के सुपरस्टार यश के साथ काम करना चाहती हैं। शहनाज गिल अपनी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का प्रमोशन जोरों-शोरों से करते हुए नजर आ रही हैं। इसके लिए शहनाज कई रियलिटी शो का हिस्सा बन रही है। सलमान की आगामी फिल्म में साउथ के कई बड़े दिग्गज सितारे भी नजर आने वाले हैं। इस को लेकर शहनाज से उनके हालिया इंटरव्यू में पूछा गया कि उन्हें साउथ के सितारों के साथ काम करके कैसा लगा। तो इसपर अभिनेत्री से बड़ा ही चटपटा जवाब दिया। हाल ही में, शहनाज गिल ने साउथ के सितारों को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। फिल्म में उनके साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, 'साउथ के सभी एक्टर्स बहुत प्यारे थे। आगे शानाज ने कहा, वेंकटेश सर फिल्म में पूजा के भाई का किरदार निभा रहे थे, तो जगपति सर फिल्म में विलन बने हैं। सभी अपनी अपनी जगह पर काफी बड़े हैं। उनको लाइव देखना हमारे लिए बड़ी बात है।' आगे शहनाज ने साउथ स्टार्स के साथ साउथ की फिल्मों में काम करने को लेकर सवाल पूछा गया। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी होगी अगर साउथ की फिल्मों में उन्हें काम करने का मौका मिलेगा। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'ऐसे बहुत सारे एक्टर्स हैं, जिनके साथ वह काम करना चाहती हैं, लेकिन जीएफ फेम यश उन्हें काफी पसंद हैं और वो उनके साथ काम करना चाहती हैं।' फिल्म किसी का भाई किसी की जान की बात करें तो, फिल्म ईद के मौके पर 21 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। फिल्म में पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, वेंकटेश दग्गुबाती, जगपति बाबू, भूमिका चावला, विजेंदर सिंह, अभिमन्यु सिंह, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल और विनाली भटनागर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

'धड़क-2' से जाह्नवी और ईशान खट्टर का कटा पत्ता

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में साल 2018 में करण जौहर ने जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर को फिल्म धड़क से लॉन्च किया था। इस मूवी ने इन दोनों स्टार्स की हिंदी सिनेमा में धमाकेदार एंट्री कराई थी। फिल्म और स्टार्स किड दोनों को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब इस फिल्म के पार्ट 2 से इन दोनों स्टार्स को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। वहीं अब इस फिल्म के लिए सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फ्रेश जोड़ी दिख सकती है।

करण का नया प्लान

सामने आई ताजा रिपोर्ट की मानें तो करण जौहर धड़क का सीक्वल बनाने की प्लानिंग काफी समय से कर रहे हैं। करण जौहर धड़क 2 को नए लीडिंग एक्टर्स के साथ बनाने की सोच रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी के साइन किया है। धड़क 2 को शाजिया इकबाल डायरेक्ट करेंगी। यह शाजिया इकबाल की पहली बॉलीवुड मूवी होने वाली है। इसके जरिए वे डायरेक्शन में डेब्यू करेंगी।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की बनी जोड़ी

फिल्म धड़क के लीड स्टार ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर का फिल्म से पत्ता साफ हो गया है। फिल्म धड़क-2 में सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की एंट्री हो गई है। फिलहाल फिल्म धड़क-2 को लेकर ऑफिशियल ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी को साथ देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। सिद्धांत चतुर्वेदी को मिला बड़ा ब्रेक करण जौहर नए कलाकारों को स्टार बनाने के लिए फेमस हैं। करण जौहर जिन कलाकारों को अपने बैनर से लॉन्च करते हैं, उनकी लाइफ बन जाती है। सिद्धांत चतुर्वेदी गली बॉय, गहराईयां में नजर आए है, लेकिन अभी तक उन्हें वैसी सफलता नहीं मिला है। धड़क 2 से उनकी बॉक्स ऑफिस पर कैसी वापसी होगी ये तो वक्त ही बताएगा।

बॉलीवुड | मसाला

फिर बड़े पर्दे पर छाएंगे इरफान खान

इरफान खान को इस दुनिया को अलविदा कहे हुए आज भले ही 3 साल हो गए हैं, लेकिन एक अच्छे एक्टर और व्यक्तित्व के रूप में वह आज भी लोकप्रिय हैं। एक्टर के फैंस आज भी उनके लिए उतना ही प्यार लुटाते हैं जितना पहले लुटाते थे। बता दें कि इरफान खान की आखिरी फिल्म अब जल्द ही रिलीज होने वाली है। इरफान खान बॉलीवुड के कई दिग्गज कलाकारों में से एक रहे हैं। अगर आप भी उनके फैन हैं तो आपके लिए यह बहुत अच्छा मौका है। दरअसल इरफान खान की आखिरी फिल्म द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन रीलीज होने वाली है। इस फिल्म को एक्टर की तीसरी डेथ एनिवर्सरी से ठीक एक दिन पहले 28 अप्रैल को सिनेमाघरों में रीलीज किया जाएगा। फिल्म को लेकर निर्माता जीशान अहमद ने कहा, यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है कि मेरा नाम इस फिल्म से जुड़ा है। हमें यह बताते हुए खुशी महसूस हो रही है कि जल्द ही इरफान खान की आखिरी फिल्म थिएटर्स में दर्शकों के सामने होगी। मैं पूरे यकीन के साथ कह सकता हूं कि इरफान का किरदार और उनकी परफॉर्मेंस आपके दिल को छू लेगी। बता दें कि फिल्म का निर्देशन अनूप सिंह ने किया है। बता दें कि द सॉन्ग ऑफ द स्कॉर्पियन्स फिल्म का स्विट्जरलैंड के लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर हो चुका है। इरफान खाने के अलावा फिल्म में वहीदा रहमान और शशांक अरोड़ा भी मुख्य किरदार निभाते हुए नजर आएंगेफिल्म का ट्रेलर कल यानी 19 अप्रैल को रिलीज हो गया।

अजब-गजब | यहां दफन हैं 50 लाख से ज्यादा लोगों के शव

ये है दुनिया का सबसे बड़ा कब्रिस्तान

दुनियाभर के हर धर्म में मुर्दों का अंतिम संस्कार अलग-अलग रीति-रिवाज से किया जाता है। जहां हिंदुओं में इंसानों के शवों को चिता की अग्नि में जलाया जाता हो वहीं मुस्लिम धर्म में उन्हें कब्र में दफनाने की परंपरा है। वहीं ईसाई धर्म के अनुयायी भी शवों को दफनाने की परंपरा निभाते हैं लेकिन वो शवों को ताबूत में रखकर दफनाते हैं। शवों को दफनाने की वजह से कब्रिस्तानों में जगह तक कम पड़ जाती है।

इसीलिए दुनिया के तमाम बड़े शहरों में कुछ सालों बाद एक कब्र के ऊपर ही दूसरे शव को दफना दिया जाता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे कब्रिस्तान के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे दुनिया का सबसे बड़ा कब्रिस्तान माना जाता है। क्योंकि इस कब्रिस्तान 50 लाख से ज्यादा शवों को दफनाया जा चुका है। यह कब्रिस्तान काफी पुराना है। कहा जाता है कि यहां लोगों को दफनाने का काम पिछले 1400 वर्षों से किया जा रहा है।

दरअसल, ईराक के वादी अल सलाम नाम के कब्रिस्तान को दुनिया का सबसे बड़ा कब्रिस्तान माना जाता है। ये कब्रिस्तान अल नजफ नाम के शहर में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल करीब 1500 एकड़ है। जो करीब 6 किलोमीटर लंबा है। इस कब्रिस्तान में प्रतिदिन तकरीबन 200 मुर्दों को दफन किया जाता है। इसके पीछे का कारण है यहां होने वाला आतंकी हमला। इस जगह पर इतने आतंकी हमले होते हैं कि काफी ज्यादा संख्या में रोज लोग मारे जाते हैं। ड्रूस्ड्रुर के खौफ पहले इस जगह पर तकरीबन हर साल 100 से 120 मुर्दों को दफनाया जाता था। इस आंकड़े के मुकाबले हाल के दिनों में यहां कई ज्यादा गुना लोग दफनाए जा रहे हैं। इस कब्रिस्तान को लेकर कहावत है कि आईएसआईएस के खिलाफ लड़ने वाले लोग इस मकबरे में आकर मन्नत मांगते हैं। अगर उनकी लड़ाई के दौरान मौत हो जाए तो उन्हें इसी कब्रिस्तान में दफनाया जाए। अधिकत्तर मुसलमान खुद को दपनाने के लिए इसी कब्रिस्तान को पसंद करते हैं।

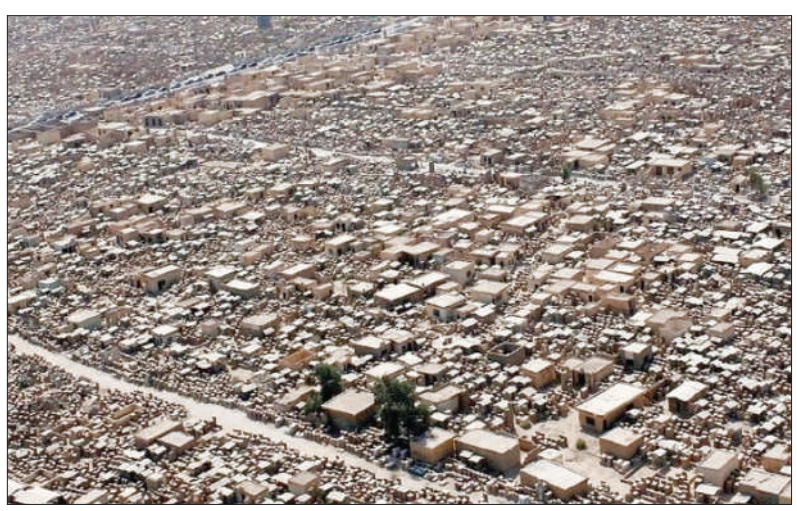

इस कैफे में आना आपकी मर्जी है, लेकिन जाने के लिए पूरी करनी होती है शर्त!

आजकल भागती-दौड़ती दुनिया में डेडलाइंस बहुत ज़रूरी होती हैं। चाहे स्कूल-कॉलेज का कोई असाइनमेंट हो या फिर ऑफिस का कोई काम, एक तय वक्त पर इसे पूरा करना ही पड़ता है। हालांकि अपनी फितरत के मुताबिक इंसान आलस में चीज़ें टालता है। ऐसे में एक ऐसा कैफे भी इस दुनिया में मौजूद है, जो आपके ऊपर प्रेशर बनाकर रखता है। अगर कोई काम आप काफी दिनों से टाल रहे हैं और पूरा नहीं कर पा रहे हैं, तो आपको इस कैफे में जाकर उसे करना चाहिए। हालांकि पेंच ये है कि ये जगह भारत में नहीं है बल्कि जापान में है। इस कैफे को जापान की राजधानी टोक्यो में बनाया गया है, जहां पहुंचने के बाद आपकी सुस्ती खुद ब खुद दूर हो जाती है।

कियोंजी में बने इस कैफे का नाम Anti-Procrastination Cafe है। यहां आप किसी भी प्रोजेक्ट का टार्गेट लेकर जा सकते हैं और इसे पूरा किए बिना वापस नहीं लौट सकते। कैफे के कर्मचारी इस बात का खास ख्याल रखते हैं कि आप कहीं सुस्ती न दिखाएं। अपना टार्गेट पूरा किए बिना आप कैफे को छोड़ नहीं सकते हैं। अपनी ईसी खासियत की वजह से सोशल मीडिया पर भी कैफे खासा चर्चित रहा है। ये कैफे लोगों की कामचोरी दूर करने के लिए ही बनाया गया है। यहां पर कोई न कोई आपके सिर पर बैठा रहता है, ताकि आपका काम जल्दी पूरा हो सके। लेखक, एडिटर, प्रूफरीडर और छात्रों के लिए ये जगह काम की है क्योंकि यहां चाय-कॉफी की अनलिमिटेड सर्विस रिफिल और स्नैक्स दिए जाते हैं। यहां हाई स्पीड वाई-फाई, डॉकिंग पोर्ट और लंबी कुर्सियां भी दी जाती हैं। इतना ही नहीं कर्मचारी आपकी चुनी सर्विस के मुताबिक या तो बार-बार काम के बारे में पूछते हैं या फिर खड़े रहकर प्रेशर बनाते हैं।

वोटर्स को धमका रहे हैं भाजपा अध्यक्ष : जयराम

वीडियो के कैप्शन में लिखा-भक्ति की भी सीमा होनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक पारा उफान पर है। राज्य में सियासी उठापटक जारी है। इस बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के ऊपर कांग्रेस पार्टी ने सनसनीखेज आरोप लगाए है। कर्नाटक में दिए गए जेपी नड्डा के एक भाषण का वीडियो क्लिप कांग्रेस ने ट्विटर पर साझा किया और उन पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाते हुए उनकी टिप्पणियों को लोकतंत्र पर हमला करार दिया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बीजेपी पर निशाना साधने के लिए कर्नाटक में जेपी नड्डा की चुनावी रैली का एक वीडियो ट्वीट किया है। जेपी नड्डा को वीडियो में यह बोलते सुना जा सकता है कि कर्नाटक में विकास की गंगा बहती रहे इसलिए मैं कमल के निशान पर वोट मांगने आया हूं, कर्नाटक में विकास जारी रहे, निरंतर चलता रहे, यह चुनाव का मुद्दा है। जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद है उससे कहीं कर्नाटक वंचित ना हो जाए, इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि आपको कमल को जिताना है और कर्नाटक के विकास को आगे बढ़ाना है। भक्ति की भी सीमा होनी चाहिए नड्डा जी। कर्नाटक की जनता को धमकी क्यों दे रहे हैं, क्यों डरा रहे हैं? कर्नाटक की जनता के आशीर्वाद से कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। वीडियो के कैप्शन में जयराम रमेश ने लिखा कि भक्ति की भी सीमा होनी चाहिए नड्डा जी। कर्नाटक की जनता को धमकी क्यों दे रहे हैं, क्यों डरा रहे हैं? कर्नाटक की जनता के आशीर्वाद से कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है।.

ट्विटर हैंडल पर वीडियो दिखाया

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से भी जेपी नड्डा का यही वीडियो साझा कर बीजेपी पर निशाना साधा। कांग्रेस ने ट्वीट के कैप्शन में लिखा बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने बीजेपी की भ्रष्ट 40 प्रतिशत (कमीशन) वाली सरकार को वोट नहीं देने पर कर्नाटक के लोगों के संवैधानिक अधिकार रोक लेने की धमकी दी है। पार्टी ने आरोप लगाया कि यह लोकतंत्र पर स्पष्ट रूप से हमला है और प्रदर्शित करता है कि बीजेपी कर्नाटक के लोगों के साथ कैसा व्यवहार करने की योजना बना रही है। कांग्रेस ने कहा कि हम किसी राजा की प्रजा नहीं हैं, बल्कि संविधान द्वारा शासित एक संघीय देश के नागरिक है।

उप्र के शीर्ष अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट ने किया रिहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। सुप्रीमकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के वित्त विभाग के टॉप अधिकारियों को राहत देते हुए उन्हें रिहा करने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाइकोर्ट के निर्देशों पर स्टे दे दिया है, जिसके तहत अधिकारियों को गिरफ्तार करने के आदेश दिए थे। कल शीर्ष अदालत फिर सुनवाई करेगा। ज्ञात हो इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जजों को सुविधाएं देने संबंधी आदेश की अवहेलना मामले में सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने बुधवार को वित्त विभाग के सचिव एसएमए रिजवी व विशेष सचिव सरयूप्रसाद मिश्र को न्यायिक अभिरक्षा में लेने का आदेश दे दिया। दोनों को बृहस्पतिवार को 11 बजे अवमानना का आरोप तय करने के लिए कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया है।

» रिटायर्ड जजों को सुविधाओं के आदेश की अवहेलना पर हुई थी कार्रवाई

इस मामले में तुरंत सुनवाई के लिए रात में ही यूपी सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। हाईकोर्ट ने यूपी के मुख्य सचिव व अपर मुख्य सचिव (वित्त) प्रशांत त्रिवेदी को भी न्यायिक मजिस्ट्रेट लखनऊ के मार्फत जमानती वारंट से बृहस्पतिवार को कोर्ट में तलब किया है। इन अफसरों से भी स्पष्टीकरण मांगा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना के आरोप तय किए जाएं।

एक-दो दिन में फिर बदलेगा मौसम, बारिश की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो-तीन दिन तक मौसम में उटापटक देखने को मिलता रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र लखनऊ ने कई जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है। कानपुर में अधिकतम पारा 42.9 डिग्री, प्रयागराज में 44.5 डिग्री और लखीमपुर खीरी में 42 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

मौसम का मिला जुला रूप आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा। इसकी शुरुआत बुधवार से हो चुकी है। एक तरफ कानपुर, प्रयागराज और लखीमपुर खीरी लू की चपेट में रहे। दूसरी तरफ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, शामली, गाजियाबाद आदि इलाकों में बारिश शुरू हो गई। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अगले दो दिनों तक मौसम बदलेगा। सबसे ज्यादा असर सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर,

बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, बिजनौर, अमोराह, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बंदायूं व आसपास के इलाके में देखने को मिलेगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू का असर खत्म हो गया है, पूर्वी उत्तर प्रदेश में बृहस्पतिवार से खत्म होगा।

अब्दुल्ला आजम सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, सुनवाई कल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विरोध प्रदर्शन मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में अब्दुल्ला आजम ने मांग की है इलाहाबाद होईकोर्ट द्वारा उन्हें दोषी ठहराए जाने पर रोक लगे। अब सुप्रीम कोर्ट शक्रवार को इस मामले पर सुनवाई करेगा।

यूपी विधानसभा सचिवालय ने अब्दुल्ला आजम की सीट को रिक्त घोषित कर दिया था। मुरादाबाद की एक स्पेशल कोर्ट ने फरवरी 2023 में 15 साल पुराने मामले में सपा महासचिव आजम खान और उनके विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम को दो साल की सजा सुनाई थी। अब्दुल्ला आजम रामपुर की स्वार सीट से विधायक बने थे। मामले में जिला शासकीय अधिवक्ता (अपराध) नितिन गुप्ता ने बताया था कि जांच के दौरान पुलिस से हुए विवाद में आजम खान समेत नौ लोगों के खिलाफ दर्ज एक मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट की न्यायाधीश स्मिता गोस्वामी ने सोमवार को आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला को दो-दो साल की सजा सुनायी थी और उनपर तीन-तीन हजार रुपये का जुर्माना लगाया था।

अच्छा काम कर रहे हैं बिहार के सीएम

पटना में नीतीश कुमार से मिले हरीश रावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस महासचिव हरीश रावत ने गुरुवार को कहा कि उनकी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से राजनीतिक बातचीत हुई, लेकिन उन्होंने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि उन्हें पार्टी हाईकमान द्वारा किसी खास मिशन पर पटना भेजा गया था।

कांग्रेस महासचिव ने बुधवार शाम नीतीश कुमार से हुई अपनी मुलाकात का सोशल मीडिया पर फोटो भी साझा किया और लिखा, 2024 में विपक्ष की एकता की बुलंद आवाज नीतीश कुमार....। हालांकि, मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर हरीश रावत ने कहा कि नीतीश कुमार उनके पुराने दोस्त हैं और वह पटना उनके अच्छे कामों की सराहना करने के लिए गए थे। वह हमारे पुराने दोस्त हैं, वह अच्छा काम कर रहे हैं और अच्छे काम को नमस्कार करना सबका दायित्व होता है। रावत ने माना कि दोनों

नेताओं के बीच राजनीतिक चर्चा हुई, उन्होंने कहा कि हम कोई संत तो हैं नही, जब राजनीतिक लोग मिलते हैं तो राजनीतिक बात तो होती ही है। लेकिन, यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी हाईकमान ने उन्हें पटना किसी खास मिशन पर भेजा था, उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। दोनों नेताओं के बीच काफी देर चली इस मुलाकात को राहुल गांधी और नीतीश कुमार की हाल में हुई बैठक की अगली कड़ी माना जा रहा है. कांग्रेस महासचिव हरीश रावत के करीबियों ने कहा कि यह मुलाकात आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर विपक्षी एकता को मजबूती देने के लिए की गयी।

लखनऊ ने राजस्थान से छीनी जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के 26वें मैच में घर पर राजस्थान रॉयल्स को 10 से हार का सामना करना पड़ा। लखनऊ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए राजस्थान को 20 ओवर में 6 विकेट पर 144 रन पर रोक दिया।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन बनाए थे। बता दें कि 154 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स ने ठोस शुरूआत दी। बटलर और यशस्वी जायसवाल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पहले पावरप्ले में खूब रन बटोरे दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी की। राजस्थान का पहला विकेट 12वें ओवर में गिरा, जब यशस्वी जायसवाल 44 रन बनाकर स्टाइनिस का शिकार बने।

10 रनों से सुपरजायंट्स ने रॉयल्स को हराया

पराग और पडिक्कल की कोशिश पर फिरा पानी

आखिरी में देवदत्त पडिक्कल और रियान पराग ने राजस्थान को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे। 19वें ओवर में तेज से रन बनाने के चक्कर में पडिक्कल आउट हो गए। वहीं, 20वें ओवर में ध्रुव जुरेल अवेश खान का शिकार बने। रियान 15 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, अश्विन ने नाबाद तीन रन बनाए।

14वें ओवर में फिसला मैच

इसके अगले ही ओवर में कप्तान संजू सैमसन रन आउट हो गए। इस समय राजस्थान का स्कोर 93 रन था। दूसरे छोर पर अभी भी जॉस बटलर अभी मौजूद थे। तब ऐसा लग रहा था कि मैच राजस्थान की झोली में है, लेकिन 14वें ओवर में पूरा मैच पलट गया। 13.3 ओवर में मैच ने रोमांचक मोड़ ले लिया, जब मार्कस स्टाइनिस ने जॉस बटलर को रवि विश्नोई के हाथों कैच आउट करवा दिया। यहीं से मैच राजस्थान की पकड़ से निकल गया और लखनऊ के गेंदबाजों ने वापसी कर ली।

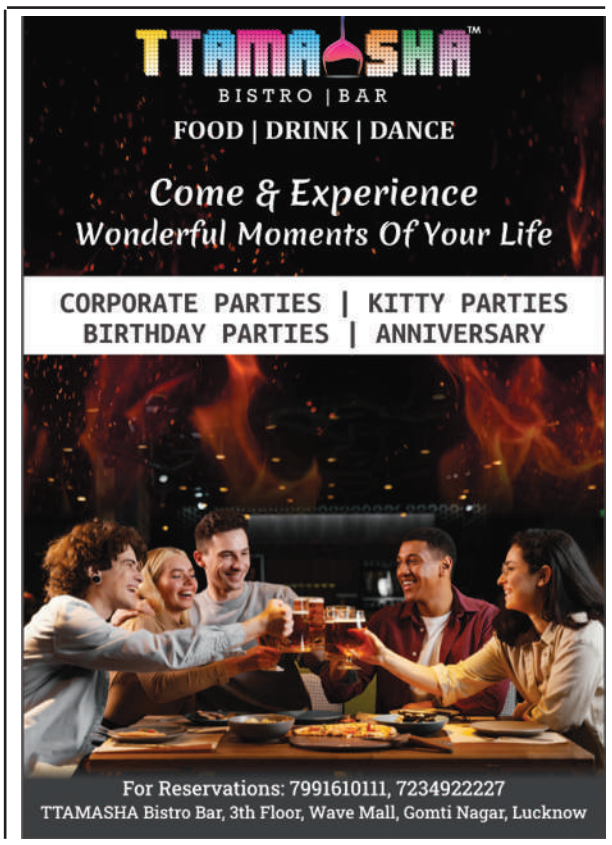

अमृतपाल की पत्नी किरणदीप गिरफ्तार

अमृतसर एयरपोर्ट पर रोका गया, लंदन भागने की फिराक में थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अमृतपाल सिंह की पत्नी को अमृतसर में गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि अमृतपाल अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। इधर उसकी पत्नी किरणदीप कौर फरार होने की फिराक में थी। उसे एयरपोर्ट में रोका गया है और हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बताया जा रहा है कि किरणदीप कौर अमृतसर एयरपोर्ट से लंदन रवाना होने वाली थी। उसे एयरपोर्ट पर ही रोक लिया गया है। पंजाब पुलिस ने खालिस्तान समर्थक अमृतपाल के खिलाफ 18 मार्च को कार्रवाई शुरू की थी। पुलिस उसे पकड़ती लेकिन वह टीम को चकमा देकर फरार हो गया था। उसके बाद से पूरे पंजाब समेत हरियाणा, यूपी, दिल्ली और सभी आसपास के राज्यों में पुलिस अलर्ट है।

18 मार्च से लगातार पुलिस को दे रहा चकमा

पंजाब में अलगाववाद को बढ़ावा देने की कथित कोशिशों में लगा कट्टरपंथी अमृतपाल के फरार होने के रूट के बारे में छानबीन की जा रही है। अमृतपाल पुलिस को किस तरह और कितना चकमा देने में सफल हुआ, इसका अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वह कुरुक्षेत्र के निकट शाहबाद में 18 और 19 मार्च को था। लेकिन पुलिस उसे शरण देने वाली बलजीत कौर के यहां 22 मार्च को पहुंच पाई।

इंटरनेट के जरिए अमृतपाल से मिली थी किरणदीप

पुलिस ने अमृतपाल सिंह की मां और पत्नी से भी पूछताछ की थी। उसकी पत्नी किरणदीप कौर भी पंजाब पुलिस के बड़े शक के घेरे में है। अमृतपाल ने किरणदीप के साथ इसी साल 10 फरवरी को शादी की थी। किरण का परिवार ब्रिटेन में रहता है। वह इंटरनेट के जरिए अमृतपाल के संपर्क में आई और विवाह कर लिया। अमृतपाल अपने रिश्तेदारों तक को भी किरण से नहीं मिलने देता था? इसकी वजह की छानबीन की जा रही है।

दुनिया के कई हिस्सों में दिखा सूर्य ग्रहण

» सुबह 7 बजकर 4 मिनट से दोपहर 12 बजकर 29 मिनट तक रहा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज साल 2023 का पहला सूर्य ग्रहण लग रहा है। यह एक कंकणाकृति सूर्य ग्रहण है जिसे मिश्रित सूर्य ग्रहण भी कहा जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह की अमावस्या तिथि पर लगने वाला सूर्य ग्रहण आज सुबह 7 बजकर 04 मिनट से शुरू हो गया है और इसका समापन दोपहर 12 बजकर 29 मिनट पर होगा।

भारत में इस ग्रहण को नहीं देखा जा सकेगा, जिसके कारण इस ग्रहण का सूतक काल मान्य नहीं होगा। सूर्य ग्रहण अब अपने आखिरी पड़ाव पर है। भारतीय समय के अनुसार आज दोपहर 12 बजकर 29 मिनट पर ग्रहण खत्म हो जाएगा। देश में इस सूर्य ग्रहण का वैसे तो कोई प्रभाव नहीं है लेकिन सूर्य ग्रहण के दुष्प्रभावों को खत्म करने के लिए पूरे घर में गंगाजल का छिड़काव जरूर कर लें।

राजनाथ सिंह कोरोना पॉजिटिव, हुए आइसोलेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं, अधिकारियों की ओर से ये जानकारी दी गई है, राजनाथ सिंह को हल्के लक्षण हैं जिसके बाद उन्होंने खुद को क्वारंटीन कर लिया है। वहीं, रक्षा मंत्रालय ने बताया कि डॉक्टर्स ने राजनाथ सिंह को आराम करने की सलाही दी है।

मंत्रालय ने कहा कि राजनाथ आज (20 अप्रैल) दिल्ली में भारतीय वायुसेना के कमांडरों के सम्मेलन में शरीक होने वाले थे लेकिन कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण ऐसा नहीं कर पाएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार (19 अप्रैल) को कनाडा की रक्षा मंत्री अनीता आनंद से टेलीफोन पर बातचीत की और दोनों देशों की रक्षा साझेदारी को उच्च स्तर तक ले जाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया। इस बातचीत के दौरान अनीता आनंद ने सिंह को कनाडा की हिंद-प्रशांत रणनीति और भारत के साथ अपने संबंधों को बढ़ाने से जुड़े महत्व की जानकारी दी।

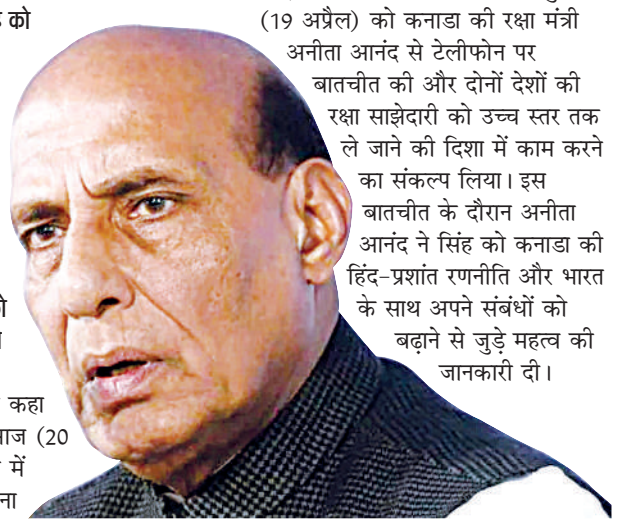

साईबाबा को लगा 'सुप्रीम' झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा की पत्नी एएस वसंता कुमारी ने न्यायपालिका पर भरोसा जताया और कहा कि उनके पति जल्द जेल से बाहर आएंगे, क्योंकि उनका मामला मजबूत है।

कुमारी ने साईबाबा की खराब सेहत का हवाला देते हुए कहा कि वह व्हीलचेयर पर हैं और उन्हें लगातार देखभाल की जरूरत है, उन्होंने कहा साईबाबा 90 प्रतिशत दिव्यांग हैं। उन्होंने कहा कि वे अनेक गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं, किसी दिव्यांग व्यक्ति के लिए जेल में एक साल भी 10 साल के बराबर है। कुमारी का बयान उस दिन आया है जब उच्चतम न्यायालय ने माओवादियों से संबंध के मामले में साईबाबा को बरी करने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को बुधवार को रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत ने बंबई उच्च न्यायालय को चार महीने के भीतर मामले पर गुण-दोष के आधार पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश भी दिया।

फोटो :4 पीएम

जनसंपर्क समाजवादी पार्टी की मेयर प्रत्याशी वंदना मिश्रा ने जनेश्वर मिश्र पार्क व आस-पास के क्षेत्र में जाकर जनसंपर्क किया।

समलैंगिक विवाह पर सुप्रीम कोर्ट में तीसरे दिन भी सुनवाई जारी

याचिकाकर्ता बोले- समलैंगिक विवाह के लिए कानून बने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट में आज समलैंगिक विवाह पर सुनवाई का तीसरा दिन है। बुधवार को हुई सुनवाई में याचिकाकर्ताओं ने समानता के अधिकार के तहत समलैंगिक विवाह के लिए कानून बनाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते समय भारत सरकार को भी एक पक्ष बनाया और इस संबंध में सवाल पूछा। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं को लेकर असहजता जताई।

केंद्र सरकार ने कहा, समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से भारतीय समाज में एक प्राकृतिक संतुलन और सामाजिक मूल्यों का पूरी तरह से नुकसान होगा क्योंकि भारत में परिवार से तात्पर्य एक महिला-पुरुष संबंध से है, न कि महिला-महिला और पुरुष-पुरुष के संबंध से। लगभग पांच महीने पहले, दो समलैंगिक जोड़ों ने विशेष विवाह अधिनियम के तहत समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इसके बाद कोर्ट ने इससे जुड़े सभी पक्षों को नोटिस जारी किया और जनवरी 2023 में अलग-अलग हाईकोर्ट्स में लंबित सभी मामलों को जोड़ करके इसको संविधान पीठ के सामने पेश करने का आदेश दिया।

क्या होता है समलैंगिक विवाह?

समान लिंग के दो व्यक्तियों के आपस में होने वाले विवाह को ही समलैंगिक विवाह कहते हैं। यानी दो पुरुषों, या दो महिलाओं के बीच में होने वाले सामाजिक गठबंधन यानी शादी को ही समलैंगिक विवाह का दर्जा दिया गया है, हालांकि भारत में समलैंगिक विवाह को कानून मंजूरी नहीं दी गई है। इसलिए इसी के संबंध में कानून बनाने और समान लिंग के दो दंपतियों को सामाजिक सुरक्षा दिए जाने को लेकर भारत की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।